25 तक पंजीयन, डिजिटल हेल्थ अकेडमी दिल्ली संग मिलकर शुरुआत

आईआईएम में डिजिटल हेल्थ में पीजी और सर्टिफिकेट कोर्स, ऑनलाइन होगी पढ़ाई

एम्स और डिजिटल हेल्थ अकेडमी नई दिल्ली मिलकर डिजिटल हेल्थ में पोस्ट ग्रेजुएट और डिप्लोमा सर्टिफिकेट प्रोग्राम संचालित कर रहे हैं। इसके दूसरे बैच की शुरुआत हो चुकी है। डिजिटल हेल्थ में पोस्ट ग्रेजुएट सर्टिफिकेट प्रोग्राम (पीजीसीपीडीएच) और डिप्लोमा प्रोग्राम (डीपीडीएच) में प्रवेश के लिए निर्धारित योग्यताएं भिन्न-भिन्न हैं।

रायपुर। कोरोना के बाद से भारत में डिजिटल हेल्थ सेक्टर में बूम आया है। इस सेक्टर में आगे काम करने के लिए ही यह कोर्स की शुरुआत की गई है। आईआईएम के अनुसार, डिजिटल क्रांति लाने तथा स्वास्थ्य सेवा और प्रौद्योगिकी के बीच अंतर को कम करने में इससे मदद मिलेगी। इसके लिए पंजीकरण 15 जुलाई से शुरू कर दिए गए हैं। पंजीकरण 25 अगस्त तक किए जा सकेंगे।

टेलीमेडिसिन, डेटा विश्लेषण जैसी चीजें

इसके अंतर्गत प्रतिभागियों को टेलीमेडिसिन, डेटा विश्लेषण, डिजिटल हेल्थ नीतियों और उद्यमिता जैसे विभिन्न पहलुओं में डिजिटल हेल्थ के संबंध में जानकारी प्रदान की जाएगी। दोनों ही पाठ्यक्रम एक वर्षीय है। पाठ्यक्रम में ऑनलाइन कक्षाएं, इंटरैक्टिव सत्र, लाइव चर्चा और केस स्टडीज शामिल हैं। इससे प्रतिभागियों को डिजिटल हेल्थ की जटिलताओं को समझने में भी मदद मिलेगी। कोर्स पूर्ण करने के बाद आईआईएम छात्रों को सर्टिफिकेट प्रदान करेगा। सिलेबस तथा इससे जुड़ी अन्य जानकारियां आईआईएम ने अपने आधिकारिक वेबसाइट पर अपलोड कर दी है।

कर्मचारियों के लिए भी प्रबंधन कार्यशाला

आईआईएम ने विधानसभा सचिवालय के कर्मचारियों के लिए भी प्रबंधन पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया। भारत के विभिन्न राज्यों से आए विधान सभा सचिवालय के कर्मचारियों के लिए इसे आयोजित किया गया था। इसमें आंध्रप्रदेश, बिहार, गुजरात, नागालैंड, सिक्किम, उत्तराखंड और उत्तरप्रदेश के विभिन्न राज्यों से बीस कर्मचारियों ने हिस्सा लिया था। समय प्रबंधन और टीम बिल्डिंग जैसे विभिन्न विषयों पर सत्र आयोजित किए गए।

माइनिंग व फायर सेफ्टी में 60 सीटें

स्वामी विवेकानंद तकनीकी विश्वविद्यालय के अध्ययनशाला में प्रवेश के लिए ऑनलाइन आवेदन शुरू हो गए हैं। यूटीडी में छात्र डिप्लोमा, बीटेक और एमटेक के कोर्स में प्रवेश ले सकते हैं। आवेदन की अंतिम तिथि 10 अगस्त है। प्रदेश के खनन व औद्योगिक इकाइयों के मांग पर गत वर्ष से सीएसवीटीयू यूटीडी में डिप्लोमा फायर सेफ्टी तथा माईनिंग इंजीनियरिंग की शुरुआत की है। इस कोर्स में 60 - 60 सीटें निर्धारित की गई हैं, जो प्रदेश के विद्यार्थियों के लिए है। वहीं राज्य के बाहर व प्रायोजित कोटे की सीटें भी हैं। यदि राज्य के विद्यार्थियों का कोटा खाली रह जाता है तो इन सीटों पर बाहरी राज्य के छात्रों को भी प्रवेश दिया जा सकेगा। डिप्लोमा पाठ्यक्रमों की प्रति सेमेस्टर फीस न्यूनतम शुल्क तय की गई है। कोर्स में प्रवेश के लिए आयु सीमा का कोई बंधन नहीं है। विस्तृत जानकारी तकनीकी विवि के वेबसाइट पर अपलोड कर दी गई है।

Haribhoomi, 02 Aug 2023, (Live) P.02